



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

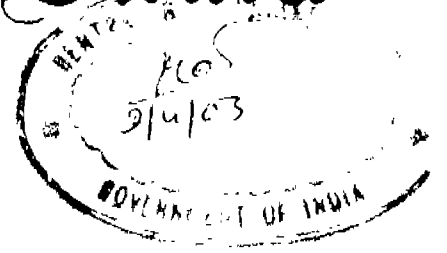
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 447]

नई दिल्ली, सोमवार, सितम्बर 30, 2002/आश्विन 8, 1924

No. 447]

NEW DELHI, MONDAY, SEPTEMBER 30, 2002/ASVINA 8, 1924

वित्त और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 सितम्बर, 2002

सं. 33/2002-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (एनटी)

सा.का.नि. 671(अ).—केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उत्पाद शुल्क अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 के अधीन केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की पहली अनुसूची के शीर्ष सं. 5302.20, 53.06, 5607.19, 5702.20 और शीर्ष सं. 63.01 के अन्तर्गत आने वाले जूट मध्यवर्तियों जैसे सूत, धागा, रस्सा, रज्जुक आदि पर, जिनका उसी कारखाने के भीतर जूट उत्पादों के और विनिर्माण में आबद्ध रूप से उपभोग किया जाता है, उत्पाद शुल्क के उद्ग्रहण (जिसके अन्तर्गत उसका उद्ग्रहण न करना भी है) के संबंध में एक पद्धति साधारणतया प्रचलित थी और यह कि ऐसे जूट मध्यवर्तियों ऐसे उत्पाद शुल्क के लिए दायी थे जो 20 मई, 1994 से ही प्रारम्भ होने वाली और 10 अगस्त, 1994 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान उक्त पद्धति के अनुसार उद्ग्रहीत नहीं किया गया था।

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उत्पाद शुल्क अधिनियम की धारा 11ग द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निदेशित करती है कि उक्त जूट मध्यवर्तियों पर, जिनका जूट उत्पादों के और विनिर्माण के लिए उसी कारखाने में आबद्ध रूप से उपभोग किया जाता है, संदेय उत्पाद शुल्क, ऐसे जूट मध्यवर्तियों के संबंध में, जिन पर उक्त उत्पाद शुल्क पूर्वोक्त अवधि के दौरान उक्त पद्धति के अनुसार उद्ग्रहीत नहीं किया गया था, उक्त पद्धति के कारण, संदेय किए जाने के लिए अपेक्षित नहीं होगा।

[फा. सं. 53/1/2002-के.उ.शु. 1]

सुरक्षा कटियार, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE AND
COMPANY AFFAIRS

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th September, 2002

No. 33/2002-CENTRAL EXCISE (NT)

G.S.R. 671(E).—Whereas the Central Government is satisfied that a practice was generally prevalent regarding levy of duty of excise (including non-levy thereof) under Section 3 of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944) (hereinafter referred to as the Excise Act), on jute intermediates like yarn, thread, rope, twine, etc. falling under Sub-heading Nos. 5302.20, 53.06, 5607.19, 5702.20, and Heading No. 63.01 of the First Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), consumed captively in the further manufacture of jute products within the same factory, and that such jute intermediates were liable to duty of excise which was not levied according to the said practice during the period commencing on and from 20th May, 1994 and ending with 10th August, 1994.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 11C of the Excise Act, the Central Government hereby directs that the duty of excise payable on the said jute intermediates, consumed captively in the same factory for the further manufacture of jute products, but for the said practice, shall not be required to be paid in respect of such jute intermediates on which the said duty of excise was not levied during the aforesaid period, in accordance with the said practice.

[F. No. 53/1/2002-CX. I]

SURAKSHA KATIYAR, Under Secy.

